Hint Media

Date: 09.08.2023

आईटीएस डेंटल कॉलेज में विश्व स्तनपान सप्ताह का आयोजन

गाजियाबाद। मुरादनगर स्थित आईटीएस डेंटल कॉलेज के पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग द्वारा एक से 7 अगस्त तक विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया गया, जिसका विषय स्तनपान को बढ़ावा देना: कामकाजी माता-पिता के लिए बदलाव लाना था। विश्व स्तनपान को प्रोत्साहित करने और दुनिया भर के शिशुओं के स्वास्थ्य में सुधार के लिये हर साल विश्व स्तनपान सप्ताह मानया जाता है। इसकी शुरूआत अगस्त 1990 में हुई थी। विश्व स्तनपान सप्ताह घोषित किये जाने का उद्देश्य स्तनपान को बढ़ावा देना था, जिससे शिशुओं को सही पोषण और उनका स्वास्थ्य बेहतर किया जा सके। इस मिशन में विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूनिसेफ और अन्य संगठन भी शामिल है। इस अवसर पर संस्थान में आने वाली महिला मरीजों को बताया गया कि नवजात शिशुओं के लिये मां का दूध अमृत के समान है।

स्तनपान को बढ़ावा देकर शिशु मृत्यु दर में कमी लाई जा सकती है। शिशुओं को जन्म से छह माह तक केवल मां का दूध पिलाने के लिए महिलाओं को इस सप्ताह के दौरान विशेष रूप से प्रोत्साहित किया गया तथा महिलाओं को मां और बच्चों के लिये स्तनपान के महत्व के बारे में जागरूक किया। स्तनपान को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर तक बढ़ाने से हर साल 8,00,000 से अधिक लोगों की जान बचाई जा सकती है, जिनमें से अधिकांश 6 महीने से कम उम्र के बच्चे है। स्तनपान कराने से माताओं को स्तन कैंसर, ओवेरियन के कैंसर, टाइप 2 मधुमेह और हृदय रोग होने का खतरा कम हो जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार जन्म के एक घंटे के भीतर शिशु को 6 महीने का होने तक अनन्य स्तनपान शुरू करना चाहिए। इस अवसर पर आईटीएस डेंटल कॉलेज की डेंटल ओपीडी में निम्नलिखित गतिविधियां देखी गई, जिसमें सभी महिलाओं को सूर्या अस्पताल के प्रसूति वार्ड में भेजा गया और वहां उनका मुफ्त चैकअप किया गया। इसके साथ ही शिविर स्थल आंगनबाड़ी, सुल्तानपुर गांव की महिला कार्यकर्ताओं और सभी महिलाओं को स्तनपान के महत्व के बारे में जागरूक किया गया, क्योंकि स्तन कैंसर आजकल अधिक प्रचलित है। इसलिए शिविर स्थल आंगनबाडी, सुल्तानपुर गांव, प्रसूति वार्ड सूर्या अस्पताल एवं डेंटल ओपीडी में आने वाले महिला रोगियों को स्तनपान के महत्व के बारे में पर्चे वितरित कर रोगी शिक्षा और प्रेरणा दी गई। इसके साथ ही संस्थान एवं शिविर स्थल ढिकोली, कल्लूगढ़, नंदग्राम और जावली में आने वाली सभी महिलाओं को पिंक रिबन और स्तनपान बैच भी वितरित किये गये। इसके साथ ही शिशुओं के लिए स्तनपान के महत्व को बढ़ावा देने के लिए सोशल मीडिया अभियान भी चलाया गया। इस सफल कार्यक्रम के आयोजन के लिये सभी प्रतिभागियों ने आईटीएस- द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ. आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Dhara News

Date: 09.08.2023

आईटीएस डेंटल कॉलेज में विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया

धारा न्यूज संवाददाता

गाजियाबाद। आईटीएस डेन्टल कॉलेज, गाजियाबाद के पब्लिक हैल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग द्वारा दिनांक 1 अगस्त से 7 अगस्त, 2023 तक विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया गया, जिसका विषय ''स्तनपान को बढ़ावा देनाः कामकाजी माता-पिता के लिए बदलाव लाना'' था। विश्व स्तनपान को प्रोत्साहित करने और दुनिया भर के शिशुओं के स्वास्थ्य में सुधार के लिये हर साल विश्व स्तनपान सप्ताह मानया जाता है। इसकी शुरूआत अगस्त 1990 में हुयी थी। विश्व स्तनपान सप्ताह घोषित किये जाने का उद्देश्य स्तनपान को बढ़ावा देना था, जिससे शिशुओं को सही पोषण और उनका

स्वास्थ्य बेहतर किया जा सके। इस मिशन मे विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूनिसेफ और अन्य संगठन भी शामिल है। इस अवसर पर आई0टी0एस0 डेंटल कॉलेज की डेन्टल ओ0पी0डी0 मे निम्नलिखित गतिविधियां देखी गई, जिसमे सभी महिलाओं को सूर्या अस्पताल के प्रसूति वार्ड में भेजा गया और वहां उनका मुफ्त चैकअप किया गया। इसके साथ ही शिविर स्थल आंगनबाड़ी, सुल्तानपुर गांव की महिला कार्यकर्ताओं और सभी महिलाओं को स्तनपान के महत्व के बारे में जागरूक किया गया, क्योंकि स्तन कैंसर आजकल अधिक प्रचलित है। इसलिए शिविर स्थल आंगनबाडी, सुल्तानपुर गांव, प्रसूति वार्ड सूर्या अस्पताल एवं डेन्टल ओ0पी0डी0 में आने वाले महिला रोगियों को स्तनपान के महत्व के बारे मे पर्चे वितरित कर रोगी शिक्षा और प्रेरणा दी गई। इसके साथ ही संस्थान एवं शिविर स्थल ढिकोली, कल्लूगढ़, नंदग्राम और जावली में आने वाली सभी महिलाओं को पिंक रिबन और स्तनपान बैच भी वितरित किये गये। इसके साथ ही शिशुओं के लिए स्तनपान के महत्व को बढ़ावा देने के लिए सोशल मीडिया अभियान भी चलाया गया।इस सफल कार्यक्रम के आयोजन के लिये सभी प्रतिभागियों ने आई0टी0एस0 – द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ0 आर0पी0 चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन, श्री अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Athah Samwaddatta

Date: 09.08.2023

आईटीएस डेंटल कॉलेज में विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया गया

अथाह संवाददाता

गाजियाबाद। आईटीएस डेन्टल कॉलेज, गाजियाबाद के पब्लिक हैल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग द्वारा दिनांक 1 अगस्त से 7 अगस्त, 223 तक विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया गया, जिसका विषय 'स्तनपान को बढ़ावा देनाः कामकाजी माता-पिता के लिए बदलाव लाना' था।

विश्व स्तनपान को प्रोत्साहित करने और दुनिया भर के शिशुओं के स्वास्थ्य में सुधार के लिये हर साल विश्व स्तनपान सप्ताह मानया जाता है। इसकी शुरूआत अगस्त 199 में हुयी थी। विश्व स्तनपान सप्ताह घोषित किये जाने का उद्देश्य स्तनपान को बढ़ावा देना था, जिससे शिशुओं को सही पोषण और उनका स्वास्थ्य बेहतर किया जा सके। इस मिशन में विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूनिसेफ और अन्य संगठन भी शामिल है।

इस अवसर पर संस्थान में आने वाली महिला मरीजों को बताया गया कि नवजात शिशुओं के लिये मां का दूध अमृत के समान है। स्तनपान को बढ़ावा देकर शिशु मृत्यु दर में कमी लाई जा सकती है। स्तनपान को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर तक बढ़ाने से हर साल 8, से अधिक लोगों की जान बचाई जा सकती है, जिनमें से अधिकांश 6 महीने से कम उम्र के बच्चे है। स्तनपान कराने से माताओं को स्तन कैंसर, ओवेरियन के कैंसर, टाइप 2 मधुमेह और हृदय रोग होने का खतरा कम हो जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार जन्म के एक घंटे के भीतर शिशु को 6 महीने का होने तक अनन्य स्तनपान शुरू करना चाहिए।

इस अवसर पर आईटीएस डेंटल कॉलेज की डेन्टल ओपीडी में निम्नलिखित गतिविधियां देखी गई, जिसमें सभी महिलाओं को सूर्या अस्पताल के प्रसूति वार्ड में भेजा गया और वहां उनका मुफ्त चैकअप किया गया। इसके साथ ही शिविर स्थल आंगनबाड़ी, सुल्तानपुर गांव की महिला कार्यकताओं और सभी महिलाओं को स्तनपान के महत्व के बारे में जागरूक किया गया, क्योंकि स्तन कैंसर आजकल अधिक प्रचलित है। इसलिए शिविर स्थल आंगनबाडी, सुल्तानपुर गांव, प्रसूति वार्ड सूर्या अस्पताल एवं डेन्टल ओपीडी में आने वाले महिला रोगियों को स्तनपान के महत्व के बारे में पर्चे वितरित कर रोगी शिक्षा और प्रेरणा दी गई। इसके साथ ही संस्थान एवं शिविर स्थल ढिकोली, कल्लूगढ, नंदग्राम और जावली में आने वाली सभी महिलाओं को पिंक रिबन और स्तनपान बैच भी वितरित किये गये। इसके साथ ही शिशिुओं के लिए स्तनपान के महत्व को बढ़ावा देने के लिए सोशल मीडिया अभियान भी चलाया गया।

इस सफल कार्यक्रम के आयोजन के लिये सभी प्रतिभागियों ने आईटीएस - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Gaj Kesari Yug

Date: 09.08.2023

आईटीएस डेंटल कॉलेज में मनाया गया विश्व स्तनपान सप्ताह

गज केसरी युग

गाजियाबाद। दिल्ली मेरठ रोड़ स्थित आईटीएस डेंटल कॉलेज मुरादनगर के पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री विभाग द्वारा 1 अगस्त से 7 अगस्त तक विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया गया। जिसका विषय "स्तनपान को बढ़ावा देना: कामकाजी माता-पिता के लिए बदलाव लाना" था। विश्व स्तनपान को प्रोत्साहित करने और दुनिया भर के शिशुओं के स्वास्थ्य में सुधार के लिये हर साल विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है। इसकी शुरूआत अगस्त 1990 में हुई थी। विश्व स्तनपान सप्ताह घोषित किए जाने का उद्देश्य स्तनपान को बढ़ावा देना था, जिससे शिशुओं को सही पोषण और उनका स्वास्थ्य बेहतर किया जा सके। इस मिशन में विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूनिसेफ और अन्य संगठन भी शामिल है। इस अवसर पर संस्थान में आने वाली महिला मरीजों को बताया गया कि नवजात शिशुओं के लिए मां का दूध अमृत के समान है। स्तनपान को बढ़ावा देकर शिशु मृत्यु दर में कमी लाई जा सकती है। शिशुओं को जन्म से छह माह तक केवल मां का दूध पिलाने के लिए महिलाओं को इस सप्ताह के दौरान विशेष रूप से प्रोत्साहित किया गया तथा महिलाओं को मां और बच्चों के लिये स्तनपान के महत्व के बारे में जागरूक किया। स्तनपान को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर तक बढ़ाने से हर साल 8,00,000 से अधिक लोगों की जान बचाई जा सकती है, जिनमें से अधिकांश 6 महीने से कम उम्र के बच्चे है। स्तनपान कराने से माताओं को स्तन कैंसर, ओवेरियन के कैंसर, टाइप 2 मधुमेह और हृदय रोग होने का खतरा कम हो जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार जन्म के एक घंटे के भीतर शिशु को 6 महीने का होने तक अनन्य स्तनपान शुरू करना चाहिए। आईटीएस डेंटल कॉलेज की डेंटल ओपीडी में निम्नलिखित गतिविधियां देखी गई, जिसमें सभी महिलाओं को सूर्या अस्पताल के प्रसुति वार्ड में भेजा गया और वहां उनका मुफ्त चैकअप किया गया। इसके साथ ही शिविर स्थल आंगनबाड़ी, सुल्तानपुर गांव की महिला कार्यकताओं और सभी महिलाओं को स्तनपान के महत्व के बारे में जागरूक किया गया, क्योंकि स्तन कैंसर आजकल अधिक प्रचलित है। इसलिए शिविर स्थल आंगनबाडी, सुल्तानपुर गांव, प्रसूति वार्ड सूर्या अस्पताल एवं डेन्टल ओपीडी में आने वाले महिला रोगियों को स्तनपान के महत्व के बारे में पर्चे वितरित कर रोगी शिक्षा और प्रेरणा दी गई। इसके साथ ही संस्थान एवं शिविर स्थल ढिकोली, कल्लूगढ, नंदग्राम और जावली में आने वाली सभी महिलाओं को पिंक रिबन और स्तनपान बैच भी वितरित किये गये। इसके साथ ही शिशुओं के लिए स्तनपान के महत्व को बढ़ावा देने के लिए सोशल मीडिया अभियान भी चलाया गया। इस सफल कार्यक्रम के आयोजन के लिये सभी प्रतिभागियों ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ आरपी चड्ढा एवं वाईस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Jan Sagar Today

Date: 09.08.2023

आई.टी.एस. डेंटल कॉलेज में मनाया विश्व स्तनपान सप्ताह

जन सागर टुडे (सं)

मुरादनगर। आई.टी.एस. डेन्टल कॉलेज, गाजियाबाद के पब्लिक हैल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग द्वारा 1 अगस्त से 7 अगस्त, 2023 तक विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया गया, जिसका विषय स्तनपान को बढ़ावा देना: कामकाजी माता-पिता के लिए बदलाव लाना था।

विश्व स्तनपान को प्रोत्साहित करने और दुनिया भर के शिशुओं के स्वास्थ्य में सुधार के लिये हर साल विश्व स्तनपान सप्ताह मानया जाता है। इसकी शुरूआत अगस्त 1990 में हुयी थी। विश्व स्तनपान सप्ताह घोषित किये जाने का उद्देश्य स्तनपान को बढ़ावा देना था, जिससे शिशुओं को सही पोषण और उनका स्वास्थ्य बेहतर किया जा सके। इस मिशन में विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूनिसेफ और अन्य संगठन भी शामिल है।

इस अवसर पर संस्थान में आने वाली महिला मरीजों को बताया गया कि नवजात शिशुओं के लिये मां का दूध अमृत के समान है। स्तनपान को बढ़ावा देकर शिशु मृत्यु दर में कमी लाई जा सकती है। शिशुओं को जन्म से छह माह तक केवल मां का दूध पिलाने के लिए महिलाओं को इस सप्ताह के दौरान विशेष रूप से प्रोत्साहित किया गया तथा महिलाओं को मां और बच्चों के लिये स्तनपान के महत्व के बारे में जागरूक किया।

स्तनपान को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर तक बढ़ाने से हर साल 8,00,000 से अधिक लोगों की जान बचाई जा सकती है, जिनमें से अधिकांश 6 महीने से कम उम्र के बच्चे है। स्तनपान कराने से माताओं को स्तन कैंसर, ओवेरियन के कैंसर, टाइप 2 मधुमेह और ह्रदय रोग होने का खतरा कम हो जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार जन्म के एक घंटे के भीतर शिशु को 6 महीने का होने तक अनन्य स्तनपान शुरू करना चाहिए।

इस अवसर पर आई.टी.एस. डेंटल कॉलेज की डेन्टल ओ.पी.डी. में निम्नलिखित गतिविधियां देखी गई, जिसमें सभी महिलाओं को सूर्या अस्पताल के प्रसूति वार्ड में भेजा गया और वहां उनका मुफ्त चैकअप किया गया। इसके साथ ही शिविर स्थल आंगनबाड़ी, सुल्तानपुर गांव की महिला कार्यकर्ताओं और सभी महिलाओं को स्तनपान के महत्व के बारे में जागरूक किया गया, क्योंकि स्तन कैंसर आजकल अधिक प्रचलित है।

इसलिए शिविर स्थल आंगनबाडी, सुल्तानपुर गांव, प्रसूति वार्ड सूर्या अस्पताल एवं डेन्टल ओ.पी.डी.में आने वाले महिला रोगियों को स्तनपान के महत्व के बारे में पर्चे वितरित कर रोगी शिक्षा और प्रेरणा दी गई। इसके साथ ही संस्थान एवं शिविर स्थल ढिकोली, कल्लूगढ, नंदग्राम और जावली में आने वाली सभी महिलाओं को पिंक रिबन और स्तनपान बैच भी वितरित किये गये। इसके साथ ही शिशुओं के लिए स्तनपान के महत्व को बढ़ावा देने के लिए सोशल मीडिया अभियान भी चलाया गया।

इस सफल कार्यक्रम के आयोजन के लिये सभी प्रतिभागियों ने आई.टी.एस.- द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ. आर.पी. चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Buland Sandesh Bureau

Date: 09.08.2023

आईटीएस डेंटल कॉलेज में विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया गया

बुलन्द संदेश ब्यूरो

मुरादनगर। दिल्ली मेरठ रोड पर असालतनगर के निकट स्थित आईटीएस डेन्टल कॉलेज के पब्लिक हैल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग द्वारा दिनांक 1 अगस्त से 7 अगस्त तक विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया गया। जिसका विषय स्तनपान को बढ़ावा देना, कामकाजी माता-पिता के लिए बदलाव लाना था। विश्व स्तनपान को प्रोत्साहित करने और दुनिया भर के शिशुओं के स्वास्थ्य में सुधार के लिये हर साल विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है। इसकी शुरूआत अगस्त 1990 में हुयी थी। विश्व स्तनपान सप्ताह घोषित किये जाने का उद्देश्य स्तनपान को बढ़ावा देना था, जिससे शिशुओं को सही पोषण और उनका स्वास्थ्य बेहतर किया जा सके। इस मिशन में विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूनिसेफ और अन्य संगठन भी शामिल है। इस अवसर पर आईटीएस संस्थान में आने वाली महिला मरीजों को बताया गया कि नवजात शिशुओं के लिये मां का दूध अमृत के समान है। स्तनपान को बढ़ावा देकर शिशु मृत्यु दर में कमी लाई जा सकती है। शिशुओं को जन्म से छह माह तक केवल मां का दूध पिलाने के लिए महिलाओं को इस सप्ताह के दौरान विशेष रूप से प्रोत्साहित किया गया। तथा महिलाओं को मां और बच्चों के लिये स्तनपान के महत्व के बारे में जागरूक किया। स्तनपान को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर तक बढ़ाने से हर साल 8 लाख से अधिक लोगों की जान बचाई जा सकती है, जिनमें से अधिकांश 6 महीने से कम उम्र के बच्चे है। स्तनपान कराने से माताओं को स्तन कैंसर, ओवेरियन के कैंसर, टाइप 2 मधुमेह और हृदय रोग होने का खतरा कम हो जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार जन्म के एक घंटे के भीतर शिशु को 6 महीने का होने तक स्तनपान शुरू करना चाहिए।

इसके साथ ही संस्थान एवं शिविर स्थल ढिकोली, कल्लूगढ, नंदग्राम और जावली में आने वाली सभी महिलाओं को पिंक रिबन और स्तनपान बैच भी वितरित किये गये। इसके साथ ही शिशुओं के लिए स्तनपान के महत्व को बढ़ावा देने के लिए सोशल मीडिया अभियान भी चलाया गया। इस सफल कार्यक्रम के आयोजन के लिये सभी प्रतिभागियों ने आईटीएस- द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉक्टर आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन, श्री अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Vandana Joshi Samwaddatta

Date: 09.08.2023

आई0टी0एस0 कालेज ऑफ फार्मेसी में दो दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम

वन्दना जोशी संवाददाता

मुरादनगर। में आई0टी0एस0 कालेज ऑफ फार्मेसी में दो दिवसीय फैकल्टी डेवलपमेंट कार्यक्रम इनोवेटिव रिसर्च ओर वैलबींग'' नामक शीर्षक पर आयोजित किया गया।कार्यक्रम का शुभारम्भ कॉलेज के निदेशक डां0 एस0 सदीश कुमार ने सरस्वती माँ के समक्ष दीप प्रज्वलन व राष्ट्रगान करके किया। इस अवसर पर बोलते हुए डॉ एस0 सदीश कुमार ने कहा कि नवाचार से हम कम संसाधन से अधिक उत्पादन कर सकते है, तथा यह हमें उन्नति के लिए प्रोत्साहित करता हैं। सफलता व असफलता दोनों में ही नवाचार हैं।

कार्यक्रम में प्रो0 आर0के0 खार निदेशक वी0एस0 अनंगपुरिया एजुकेशनल इंस्टीटयूशन्स, फरीदाबाद, प्रो0 विधु ऐरी, स्कूल ऑफ फार्मास्यूटिकल एजूकेशन एण्ड रिसर्च, जामिया हमदर्द, नई दिल्ली, डॉ0 इकबाल अहमद, मैनेजर (आर0एण्डडी0) वाईटलस वेलबींग ई0 प्रा0लि0, मि0 संदीप सोनी, प्रेसिडेंट, सायनोकेम फार्मास्यूटिकल्स लि0, डॉ0 आर0एस0 रॉय , सहायक वैज्ञानिक, आई0पी0सी0, गाजियाबाद मुख्य वक्ता थें। कार्यक्रम के प्रथम दिवस प्रो0 आर0के0 खार ने आज के समय में ''इनोवेटिव रिसर्च और वैलबींग'' के महत्व के बारे में बताया। उन्होंने कम्पूटेशनल फार्मासुटिकलस, थ्री0 डी0 प्रिटिंग तथा सटीक दवा के बारे में बताया। डॉ0 आर0एस0 रॉय ने दवाइयों के प्रतिकूल प्रतिक्रियायों और सुरक्षित दवाओं के बारे मे बताया। उन्होने प्रतिकुल दवा प्रतिक्रिया तथा प्रतिकुल दवा घटना के बारे में विस्तार से बताया।

कार्यक्रम के द्वितीय दिवस को प्रो0 विधु ऐरी ने एक प्रबल वनस्पति विशेषज्ञ के विभिन्न अवसरों के बारे में बताया। उन्होंने बताया कि फाइटोफार्मासुटिकलस एक प्रबल वानस्पतिक रस विकसित करने का नया क्षेत्र है। डॉ0 इकबाल अहमद ने न्यूट्रास्यूटिकल्स उत्पाद के विकास में नैनो टेक्नोलॉजी के महत्व के बारे में बताया। मि0 संदीप सोनी ने उद्योग जगत की नवाचार से अपेक्षाओं के बारे में बताया तथा उन्होंने कहा कि हमें छात्रों में नवाचार की सोच का विकास करना चाहिए जिससे कि वे सम विषम परिस्थितियों में अपने जीवन को बनाए रख सकें। इस सफल कार्यक्रम के आयोजन के लिये सभी प्रतिभागियों ने आई0टी0एस0—दी एजूकेशन ग्रुप के चेयरमैन आर0पी0 चढडा एवं वाइस चेयरमैन अर्पित चढडा जी को धन्यवाद दिया जो कि शिक्षकों को प्रोत्साहित करने के लिये इस तरह के एफ0डी0पी0 कार्यक्रर्मो का आयोजन कराते रहते है और शिक्षकों के सफल भविष्य बनाने के लिए तत्पर तैयार रहते है। इस कार्यक्रम का सयोंजन डॉ0 राजकुमारी, डॉ0मनोज कुमार शर्मा, मिस सागरिका माझी, तथा डॉ0 स्निग्ध ाा भारद्वाज ने किया।

Uday Bhoomi Bureau

Date: 09.08.2023

आईटीएस डेंटल कॉलेज में मनाया गया विश्व स्तनपान सप्ताह

उदय भूमि ब्यूरो

गाजियाबाद। दिल्ली मेरठ रोड़ स्थित आईटीएस डेंटल कॉलेज मुरादनगर के पब्लिक हेल्थ डेंटिस्ट्री विभाग द्वारा 1 अगस्त से 7 अगस्त तक विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया गया। जिसका विषय "स्तनपान को बढ़ावा देनाः कामकाजी माता-पिता के लिए बदलाव लाना" था। विश्व स्तनपान को प्रोत्साहित करने और दुनिया भर के शिशुओं के स्वास्थ्य में सुधार के लिये हर साल विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है। इसकी शुरूआत अगस्त 1990 में हुई थी। विश्व स्तनपान सप्ताह घोषित किए जाने का उद्देश्य स्तनपान को बढ़ावा देना था, जिससे शिशुओं को सही पोषण और उनका स्वास्थ्य बेहतर किया जा सके। इस मिशन में विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूनिसेफ और अन्य संगठन भी शामिल है। इस अवसर पर संस्थान में आने वाली महिला मरीजों को बताया गया कि नवजात शिशुओं के लिए मां का दूध अमृत के समान है। स्तनपान को बढ़ावा देकर शिशु मृत्यु दर में कमी लाई जा सकती है।

शिशुओं को जन्म से छह माह तक केवल मां का दूध पिलाने के लिए महिलाओं को इस सप्ताह के दौरान विशेष रूप से प्रोत्साहित किया गया तथा महिलाओं को मां और बच्चों के लिए स्तनपान के महत्व के बारे में जागरूक किया। स्तनपान को अंतर्राष्ट्रीय स्तर तक बढ़ाने से हर साल 8,00,000 से अधिक लोगों की जान बचाई जा सकती है, जिनमें से अधिकांश 6 महीने से कम उम्र के बच्चे है। स्तनपान कराने से माताओं को स्तन कैंसर, ओवेरियन के कैंसर, टाइप 2 मधुमेह और हृदय रोग होने का खतरा कम हो जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार जन्म के एक घंटे के भीतर शिशु को 6 महीने का होने तक अनन्य स्तनपान शुरू करना चाहिए। आईटीएस डेंटल कॉलेज की डेंटल ओपीडी में निम्नलिखित गतिविधियां देखी गई, जिसमें सभी महिलाओं को सूर्या अस्पताल के प्रसूति वार्ड में भेजा गया और वहां उनका मुफ्त चैकअप किया गया। इसके साथ ही शिविर स्थल आंगनबाड़ी, सुल्तानपुर गांव की महिला कार्यकताओं और सभी महिलाओं को स्तनपान के महत्व के बारे में जागरूक किया गया, क्योंकि स्तन कैंसर आजकल अधिक प्रचलित है। इसलिए शिविर स्थल आंगनबाडी, सुल्तानपुर गांव, प्रसूति वार्ड सूर्या अस्पताल एवं डेन्टल ओपीडी में आने वाले महिला रोगियों को स्तनपान के महत्व के बारे में पर्चे वितरित कर रोगी शिक्षा और प्रेरणा दी गई।

इसके साथ ही संस्थान एवं शिविर स्थल ढिकोली, कल्लूगढ, नंदग्राम और जावली में आने वाली सभी महिलाओं को पिंक रिबन और स्तनपान बैच भी वितरित किये गये। इसके साथ ही शिशुओं के लिए स्तनपान के महत्व को बढ़ावा देने के लिए सोशल मीडिया अभियान भी चलाया गया। इस सफल कार्यक्रम के आयोजन के लिये सभी प्रतिभागियों ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ आरपी चड्ढा एवं वाईस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Samwaddatta (Aap Abhi Tak)

Date: 09.08.2023

आईटीएस डेंटल कॉलेज में विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया

संवाददाता (आप अभीतक)

मुरादनगर। आईटीएस डेन्टल कॉलेज, गाजियाबाद के पब्लिक हैल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग द्वारा दिनांक 1 अगस्त से 7 अगस्त, 2023 तक विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया गया, जिसका विषय स्तनपान को बढ़ावा देना: कामकाजी माता-पिता के लिए बदलाव लाना था।

विश्व स्तनपान को प्रोत्साहित करने और दुनिया भर के शिशुओं के स्वास्थ्य में सुधार के लिये हर साल विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया जाता है। इसकी शुरूआत अगस्त 1990 में हुयी थी। विश्व स्तनपान सप्ताह घोषित किये जाने का उद्देश्य स्तनपान को बढ़ावा देना था, जिससे शिशुओं को सही पोषण और उनका स्वास्थ्य बेहतर किया जा सके। इस मिशन में विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूनिसेफ और अन्य संगठन भी शामिल है।

इस अवसर पर संस्थान में आने वाली महिला मरीजों को बताया गया कि नवजात शिशुओं के लिये मां का दूध अमृत के समान है। स्तनपान को बढ़ावा देकर शिशु मृत्यु दर में कमी लाई जा सकती है। शिशुओं को जन्म से छह माह तक केवल मां का दूध पिलाने के लिए महिलाओं को इस सप्ताह के दौरान विशेष रूप से प्रोत्साहित किया गया तथा महिलाओं को मां और बच्चों के लिये स्तनपान के महत्व के बारे में जागरूक किया। स्तनपान को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर तक बढ़ाने से हर साल 8 लाख से अधिक लोगों की जान बचाई जा सकती है, जिनमें से अधिकांश 6 महीने से कम उम्र के बच्चे है। स्तनपान कराने से माताओं को स्तन कैंसर, ओवेरियन के कैंसर, टाइप 2 मधुमेह और हृदय रोग होने का खतरा कम हो जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार जन्म के एक घंटे के भीतर शिशु को 6 महीने का होने तक अनन्य स्तनपान शुरू करना चाहिए।

इस अवसर पर आईटीएस डेंटल कॉलेज की डेन्टल ओपीडी में निम्नलिखित गतिविधियां देखी गई, जिसमें सभी महिलाओं को सूर्या अस्पताल के प्रसूति वार्ड में भेजा गया और वहां उनका मुफ्त चैकअप किया गया। इसके साथ ही शिविर स्थल आंगनबाड़ी, सुल्तानपुर गांव की महिला कार्यकर्ताओं और सभी महिलाओं को स्तनपान के महत्व के बारे में जागरूक किया गया, क्योंकि स्तन कैंसर आजकल अधिक प्रचलित है। इसलिए शिविर स्थल आंगनबाडी, सुल्तानपुर गांव, प्रसूति वार्ड सूर्या अस्पताल एवं डेन्टल ओपीडी में आने वाले महिला रोगियों को स्तनपान के महत्व के बारे में पर्चे वितरित कर रोगी शिक्षा और प्रेरणा दी गई। इसके साथ ही संस्थान एवं शिविर स्थल ढिकोली, कल्लूगढ़, नंदग्राम और जावली में आने वाली सभी महिलाओं को पिंक रिबन और स्तनपान बैच भी वितरित किये गये। इसके साथ ही शिशुओं के लिए स्तनपान के महत्व को बढ़ावा देने के लिए सोशल मीडिया अभियान भी चलाया गया।

इस सफल कार्यक्रम के आयोजन के लिये सभी प्रतिभागियों ने आईटीएस-द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ. आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Manasvi Vaani Samwaddatta

Date: 09.08.2023

आईटीएस डेंटल कॉलेज में विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया

मनस्वी वाणी संवाददाता

मुरादनगर । दिल्ली मेरठ रोड स्थित आईटीएस डेन्टल कॉलेज के पब्लिक हैल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग द्वारा विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया गया, जिसका विषय ह्यह्यस्तनपान को बढ़ावा देनाः कामकाजी माता-पिता के लिए बदलाव लाना था।विश्व स्तनपान को प्रोत्साहित करने और दुनिया भर के शिशुओं के स्वास्थ्य में सुधार के लिये हर साल विश्व स्तनपान सप्ताह मानया जाता है।

इसकी शुरूआत अगस्त 1990 में हुयी थी। विश्व स्तनपान सप्ताह घोषित किये जाने का उद्देश्य स्तनपान को बढ़ावा देना था, जिससे शिशुओं को सही पोषण और उनका स्वास्थ्य बेहतर किया जा सके। इस मिशन में विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूनिसेफ और अन्य संगठन भी शामिल है। इस अवसर पर संस्थान में आने वाली महिला मरीजों को बताया गया कि नवजात शिशुओं के लिये मां का दूध अमृत के समान है। स्तनपान को बढ़ावा देकर शिशु मृत्यु दर में कमी लाई जा सकती है। शिशुओं को जन्म से छह माह तक केवल मां का दूध पिलाने के लिए महिलाओं को इस सप्ताह के दौरान विशेष रूप से प्रोत्साहित किया गया तथा महिलाओं को मां और बच्चों के लिये स्तनपान के महत्व के बारे में जागरूक किया। स्तनपान को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर तक बढ़ाने से हर साल 8,00,000 से अधिक लोगों की जान बचाई जा सकती है, जिनमें से अधिकांश 6 महीने से कम उम्र के बच्चे है। स्तनपान कराने से माताओं को स्तन कैंसर, ओवेरियन के कैंसर, टाइप 2 मधुमेह और हृदय रोग होने का खतरा कम हो जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार जन्म के एक घंटे के भीतर शिशु को 6 महीने का होने तक अनन्य स्तनपान शुरू करना चाहिए। इस अवसर पर आईटीएस डेंटल कॉलेज की डेन्टल ओपीडी में निम्नलिखित गतिविधियां देखी गई, जिसमें सभी महिलाओं को सूर्या अस्पताल के प्रसूति वार्ड में भेजा गया और वहां उनका मुफ्त चैकअप किया गया। इसके साथ ही शिविर स्थल आंगनबाड़ी, सुल्तानपुर गांव की महिला कार्यकताओं और सभी महिलाओं को स्तनपान के महत्व के बारे में जागरूक किया गया, क्योंकि स्तन कैंसर आजकल अधिक प्रचलित है। इसलिए शिविर स्थल आंगनबाडी, सुल्तानपुर गांव, प्रसूति वार्ड सूर्या अस्पताल एवं डेन्टल ओपीडी में आने वाले महिला रोगियों को स्तनपान के महत्व के बारे में पर्चे वितरित कर रोगी शिक्षा और प्रेरणा दी गई। इसके साथ ही संस्थान एवं शिविर स्थल ढिकोली, कल्लूगढ, नंदग्राम और जावली में आने वाली सभी महिलाओं को पिंक रिबन और स्तनपान बैच भी वितरित किये गये। इसके साथ ही शिशुिओं के लिए स्तनपान के महत्व को बढ़ावा देने के लिए सोशल मीडिया अभियान भी चलाया गया। कार्यक्रम के आयोजन के लिये सभी प्रतिभागियों ने आईटीएस- द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ0 आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Tawar News Vandana Joshi

Date: 09.08.2023

आई०टी०एस० डेंटल कॉलेज में विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया गया

तवँर न्यूज़ वन्दना जोशी

मुरादनगर। आई०टी०एस० डेन्टल कॉलेज, गाजियाबाद के पब्लिक हैल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग द्वारा दिनांक 1 अगस्त से 7 अगस्त, 2023 तक विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया गया जिसका विषय स्तनपान को बढ़ावा देनाः कामकाजी माता-पिता के लिए बदलाव लाना था।

विश्व स्तनपान को प्रोत्साहित करने और दुनिया भर के शिशुओं के स्वास्थ्य में सुधार के लिये हर साल विश्व स्तनपान सप्ताह मानया जाता है। इसकी शुरूआत अगस्त 1990 में हुयी थी। विश्व स्तनपान सप्ताह घोषित किये जाने का उद्देश्य स्तनपान को बढ़ावा देना था, जिससे शिशुओं को सही पोषण और उनका स्वास्थ्य बेहतर किया जा सके। इस मिशन में विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूनिसेफ और अन्य संगठन भी शामिल है। इस अवसर पर संस्थान में आने वाली महिला मरीजों को बताया गया कि नवजात शिशुओं के लिये मां का दूध अमृत के समान है। स्तनपान को बढ़ावा देकर शिशु मृत्यु दर में कमी लाई जा सकती है। शिशुओं को जन्म से छह माह तक केवल मां का दूध पिलाने के लिए महिलाओं को इस सप्ताह के दौरान विशेष रूप से प्रोत्साहित किया गया तथा महिलाओं को मां और बच्चों के लिये स्तनपान के महत्व के बारे में जागरूक किया। स्तनपान को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर तक बढ़ाने से हर साल 8,00,000 से अधिक लोगों की जान बचाई जा सकती है, जिनमें से अधिकांश 6 महीने से कम उम्र के बच्चे है। स्तनपान कराने से माताओं को स्तन कैंसर, ओवेरियन के कैंसर, टाइप 2 मधुमेह और हृदय रोग होने का खतरा कम हो जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार जन्म के एक घंटे के भीतर शिशु को 6 महीने का होने तक अनन्य स्तनपान शुरू करना चाहिए। इस अवसर पर आई०टी०एस० डेंटल कॉलेज की डेन्टल ओ०पी०डी० में निम्नलिखित गतिविधियां देखी गई, जिसमें सभी महिलाओं को सूर्या अस्पताल के प्रसूति वार्ड में भेजा गया और वहां उनका मुफ्त चैकअप किया गया। इसके साथ ही शिविर स्थल आंगनबाड़ी, सुल्तानपुर गांव की महिला कार्यकर्ताओं और सभी महिलाओं को स्तनपान के महत्व के बारे में जागरूक किया गया, क्योंकि स्तन कैंसर आजकल अधिक प्रचलित है। इसलिए शिविर स्थल आंगनबाडी, सुल्तानपुर गांव, प्रसूति वार्ड सूर्या अस्पताल एवं डेन्टल ओ०पी०डी० में आने वाले महिला रोगियों को स्तनपान के महत्व के बारे में पर्चे वितरित कर रोगी शिक्षा और प्रेरणा दी गई। इसके साथ ही संस्थान एवं शिविर स्थल ढिकोली, कल्लूगढ, नंदग्राम और जावली में आने वाली सभी महिलाओं को पिंक रिबन और स्तनपान बैच भी वितरित किये गये। इसके साथ ही शिशुओं के लिए स्तनपान के महत्व को बढ़ावा देने के लिए सोशल मीडिया अभियान भी चलाया गया।

इस सफल कार्यक्रम के आयोजन के लिये सभी प्रतिभागियों ने आई०टी०एस० - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ० आर०पी० चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन, अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Yug Karvat Samwaddatta

Date: 09.08.2023

आईटीएस डेंटल कॉलेज में विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया गया

युग करवट संवाददाता

गाजियाबाद। आईटीएस डेन्टल कॉलेज के पब्लिक हैल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग द्वारा विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया गया। जिसका विषय स्तनपान को बढ़ावा देना, कामकाजी माता-पिता के लिए बदलाव लाना था।

विश्व स्तनपान को प्रोत्साहित करने और दुनिया भर के शिशुओं के स्वास्थ्य में सुधार के लिये हर साल सप्ताह मानया जाता है। इसकी शुरूआत अगस्त 1990 में हुयी थी। इस अवसर पर संस्थान में आने वाली महिला मरीजों को बताया गया कि नवजात शिशुओं के लिये मां का दूध अमृत के समान है। स्तनपान को बढ़ावा देकर शिशु मृत्यु दर में कमी लाई जा सकती है।

इस अवसर पर कॉलेज की डेन्टल ओपीडी में महिलाओं को सूर्या अस्पताल के प्रसूति वार्ड में भेजा गया और वहां उनका मुफ्त चैकअप किया गया। इसके साथ ही शिविर स्थल आंगनबाड़ी, सुल्तानपुर गांव की महिला कार्यकर्ताओं और सभी महिलाओं को स्तनपान के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। इसलिए शिविर स्थल आंगनबाडी, सुल्तानपुर गांव, प्रसूति वार्ड सूर्या अस्पताल एवं डेन्टल ओपीडी में आने वाले महिला रोगियों को स्तनपान के महत्व के बारे में पर्चे वितरित कर रोगी शिक्षा और प्रेरणा दी गई।

Hind Atma Samwaddatta

Date: 09.08.2023

आईटीएस डेंटल कॉलेज ने मनाया विश्व स्तनपान सप्ताह

हिन्द आत्मा संवाददाता

गाजियाबाद। आईटीएस डेन्टल कॉलेज गाजियाबाद के पब्लिक हैल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग द्वारा 1 अगस्त से 7 अगस्त तक विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया गया। इसका विषय 'स्तनपान को बढ़ावा देना और कामकाजी माता-पिता के लिए बदलाव लाना' रहा। विश्व स्तनपान को प्रोत्साहित करने और दुनिया भर के शिशुओं के स्वास्थ्य में सुधार के लिये हर साल विश्व स्तनपान सप्ताह मानया जाता है।इसकी शुरूआत अगस्त 1990 में हुयी थी। विश्व स्तनपान सप्ताह घोषित किये जाने का उद्देश्य स्तनपान को बढ़ावा देना था। जिससे शिशुओं को सही पोषण और उनका स्वास्थ्य बेहतर किया जा सके। इस मिशन में विश्व स्वास्थ्य संगठन, युनिसेफ और अन्य संगठन भी शामिल है।

इस अवसर पर संस्थान में आने वाली महिला मरीजों को बताया गया कि नवजात शिशुओं के लिये मां का दूध अमृत के समान है। स्तनपान को बढ़ावा देकर शिशु मृत्यु दर में कमी लाई जा सकती है।शिशुओं को जन्म से छह माह तक केवल मां का दूध पिलाने के लिए महिलाओं को इस सप्ताह के दौरान विशेष रूप से प्रोत्साहित किया गया। महिलाओं को मां और बच्चों के लिये स्तनपान के महत्व के बारे में जागरूक किया। स्तनपान को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर तक बढ़ाने से हर साल 8 लाख से अधिक बच्चों की जान बचाई जा सकती है। जिनमें से अधिकांश 6 महीने से कम उम्र के बच्चे है। स्तनपान कराने से माताओं को स्तन कैंसर, ओवेरियन के कैंसर, टाइप 2 मधुमेह और हृदय रोग होने का खतरा कम हो जाता है।विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार जन्म के एक घंटे के भीतर शिशु को 6 महीने का होने तक अनन्य स्तनपान शुरू करना चाहिए। इस अवसर पर आईटीएस डेंटल कॉलेज की डेन्टल ओपीडी में सभी महिलाओं को सूर्या अस्पताल के प्रसूति वार्ड में भेजा गया और वहां उनका मुफ्त चैकअप किया गया।

शिविर स्थल आंगनबाड़ी, सुल्तानपुर गांव की महिला कार्यकताओं और सभी महिलाओं को स्तनपान के महत्व के बारे में जागरूक किया गया। क्योंकि स्तन कैंसर आजकल अधिक प्रचलित है। इसलिए शिविर स्थल आंगनबाडी, सुल्तानपुर गांव, प्रसूति वार्ड सूर्या अस्पताल एवं डेन्टल ओपीडी में आने वाले महिला रोगियों को स्तनपान के महत्व के बारे में पर्चे वितरित कर शिक्षा और प्रेरणा दी गई। संस्थान एवं शिविर स्थल ढिकोली, कल्लूगढ, नंदग्राम और जावली में आने वाली सभी महिलाओं को पिंक रिबन और स्तनपान बैच भी वितरित किये गये। शिशुओं के लिए स्तनपान के महत्व को बढ़ावा देने के लिए सोशल मीडिया अभियान भी चलाया गया। इस सफल कार्यक्रम के आयोजन के लिये सभी प्रतिभागियों ने आईटीएस द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन डॉ आरपी चड्ढा तथा वाईस चेयरमैन अर्पित चड्ढा को धन्यवाद दिया।

Gaj Kesari Yug

Date: 10.08.2023

विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया गया

गज केसरी युग

मुरादनगर(मनीष गोयल)। आई0टी0एस0 डेन्टल कॉलेज के पब्लिक हैल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग द्वारा ह्यह्यस्तनपान को बढ़ावा देनाः काम काजी माता–पिता के लिए बदलाव लानाह्यह्य विषय पर विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया गया।

इस अवसर पर संस्थान में आने वाली महिला मरीजों को बताया गया कि नवजात शिशुओं के लिये मां का दूध अमृत के समान है। स्तनपान को बढ़ावा देकर शिशु मृत्यु दर में कमी लाई जा सकती है। शिशुओं को जन्म से छह माह तक केवल मां का दूध पिलाने के लिए महिलाओं को प्रोत्साहित किया गया। स्तनपान कराने से माताओं को स्तन कैंसर, ओवेरियन कैंसर, टाइप 2 मधुमेह और हृदय रोग होने का खतरा कम हो जाता है।

इस अवसर पर महिलाओं का मुफ्त चैकअप किया गया। शिविर स्थल आंगनबाडी, सुल्तानपुर गांव, प्रसूति वार्ड सूर्या अस्पताल एवं डेन्टल ओ0पी0डी0 में आने वाले महिला रोगियों को स्तनपान के महत्व के बारे में पर्चे वितरित किये गये। इसके साथ ही संस्थान एवं शिविर स्थल ढिकोली, कल्लूगढी, नंदग्राम और जावली में आने वाली सभी महिलाओं को पिंक रिबन और स्तनपान बैच भी वितरित किये गये।

Great National Achievement

Date: 10.08.2023

आई0टी0एस0 डेंटल कॉलेज में विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया गया

Ghaziabad : आई0टी0एस0 डेन्टल कॉलेज, गाजियाबाद के पब्लिक हैल्थ डेन्टिस्ट्री विभाग द्वारा दिनांक 1 अगस्त से 7 अगस्त, 2023 तक विश्व स्तनपान सप्ताह मनाया गया, जिसका विषय "स्तनपान को बढ़ावा देनाः कामकाजी माता-पिता के लिए बदलाव लाना" था।

विश्व स्तनपान को प्रोत्साहित करने और दुनिया भर के शिशुओं के स्वास्थ्य में सुधार के लिये हर साल विश्व स्तनपान सप्ताह मानया जाता है। इसकी शुरूआत अगस्त 1990 में हुयी थी। विश्व स्तनपान सप्ताह घोषित किये जाने का उद्देश्य स्तनपान को बढ़ावा देना था, जिससे शिशुओं को सही पोषण और उनका स्वास्थ्य बेहतर किया जा सके। इस मिशन में विश्व स्वास्थ्य संगठन, यूनिसेफ और अन्य संगठन भी शामिल है।

इस अवसर पर संस्थान में आने वाली महिला मरीजों को बताया गया कि नवजात शिशुओं के लिये मां का दूध अमृत

केवल मां का दूध पिलाने के लिए महिलाओं को इस सप्ताह के दौरान विशेष रूप से प्रोत्साहित किया गया तथा महिलाओं को मां और बच्चों के लिये स्तनपान के महत्व के बारे में जागरूक किया। स्तनपान को अन्तर्राष्ट्रीय स्तर तक बढ़ाने से हर साल 8,00,000 से अधिक लोगों की जान बचाई जा सकती है, जिनमें से अधिकांश 6 महीने से कम उम्र के बच्चे है। स्तनपान कराने से माताओं को स्तन कैंसर, ओवेरियन के कैंसर, टाइप 2 मधुमेह और हृदय रोग होने का खतरा कम हो जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार जन्म के एक घंटे के भीतर शिशु को 6 महीने का होने तक अनन्य स्तनपान शुरू करना चाहिए।

इस अवसर पर आई०टी०एस० डेंटल कॉलेज की डेन्टल ओ०पी०डी० में निम्नलिखित गतिविधियां देखी गई, जिसमें सभी महिलाओं को सूर्या अस्पताल के प्रसूति वार्ड में भेजा गया और वहां उनका मुफ्त चैकअप किया गया। इसके साथ ही शिविर स्थल आंगनबाड़ी, सुल्तानपुर गांव की महिला कार्यकर्ताओं और सभी महिलाओं को स्तनपान के महत्व के बारे में जागरूक किया गया, क्योंकि स्तन कैंसर आजकल अधिक प्रचलित है। इसलिए शिविर स्थल आंगनबाडी, सुल्तानपुर गांव, प्रसूति वार्ड सूर्या अस्पताल एवं डेन्टल ओ०पी०डी० में आने वाले महिला रोगियों को स्तनपान के महत्व के बारे में पर्चे वितरित कर रोगी शिक्षा और प्रेरणा दी गई। इसके साथ ही संस्थान एवं शिविर स्थल ढिकोली, कल्लूगढ, नंदग्राम और जावली में आने वाली सभी महिलाओं को पिंक रिबन और स्तनपान बैच भी वितरित किये गये। इसके साथ ही शिशुओं के लिए स्तनपान के महत्व को बढ़ावा देने के लिए सोशल मीडिया अभियान भी चलाया गया।

इस सफल कार्यक्रम के आयोजन के लिये सभी प्रतिभागियों ने आई०टी०एस० - द एजुकेशन ग्रुप के चेयरमैन, डॉ०